

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	DEVENDRA PRASAD
Father Name	SHIV NATH PRASAD
Date of Birth	1954-12-12
Contact No	9430913009
Alternate contact no.	8709939253
e-mail ID	sandeep.kr246@gmail.com
Nominee Name	SANDEEP KUMAR
Correspondence Address :	T1-607 PARAS SEASONS, SECTOR 168, NOIDA
Landmark	ADVANT TOWER, EXPRESSWAY
City	GAUTAM BUDDH NAGAR
State	UTTAR PRADESH
Pin Code	201305
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	DEVENDRA PRASAD
Account No.	3400894751
Bank Name	CENTRAL BANK OF INDIA

Branch	BELA INDUSTRIAL ESTATE
IFSC Code	CBIN0282373
Pan No.	ADSPP0643D

Book Details

Book Title	मेरी प्रिय कहानियां एवं एक सर्वश्रेष्ठ पकस्तानी कहानी
How would you like your name to appear on book?	देवेन्द्र प्रसाद
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Fiction
Number of images (If any)	50
Manuscript Status	Completed
Book Size	5"x8"

Cover details

Synopsis

शक मनुष्य के जीवन में वषि घोल देता है ,उसके बुद्धिविविक को नष्ट कर देता है। पहली कहानी 'शक'में पति-पत्नी के बीच का शक कसि अंजाम तक पहुंचता है, इसे दर्शाया गया। दूसरी कहानी है 'अंतमि इच्छा'। क्या आप सोच सकते हैं ककिसी मनुष्य की अंतमि इच्छा ऐसी भी हो सकती है? स्तब्ध कर देने वाली एक मार्मिक कहानी। युवावस्था में होने वाला अधिकतर प्रेम शादी के बंधन तक नहीं पहुंचता है। क्या होता है जब 20- 25 साल बाद दोनों एकाएक मिले और दोनों में वही प्रेम अंकुरित होने लगे। 'यादें' ऐसे ही एक युवा की प्रेम कहानी है। मनुष्य के जीवन में लया गया एक गलत निर्णय जदिगी को कतिना बदल देता है, गुनाहगार कहानी में इसकी स्पष्ट झलक मिलती है। 20 -25 वर्षों तक मां -बाप के घर दुलार में पली-बढ़ी लड़की को बाप अपने सामर्थ से एक बड़े घर में शादी कर देता है। दहेज लोलुप इस परिवार में लड़की का क्या हश्र होता है ,उसका अंजाम कतिना दर्दनाक होता है, 'बेटी तुम बड़ी मत होना' में पढ़कर आप स्तब्ध हो जाएंगे। गांव से निकलकर महानगर में अपने बच्चों के पास रहने के अनुभव को 'महानगर की संस्कृति'में बखूबी दखिलाया गया है। नक्सली भले ही अभी कोई बड़ा मुद्दा नहीं है, कति 70- 80 के दशक में यह ज्वलंत मुद्दा हुआ करता था। नक्सलवाद का उदय दलति ,आदवासी, गरीब किसान मजदूरों द्वारा सामंतवाद के फैलते वर्चस्व को खत्म करने के लिए हसित्मक विद्रोह और संघर्ष के रूप में हुआ था। 'शगुनी महतो' को नक्सल बनने , उसके विद्रोह से लेकर उसके अंत तक कहानी है। 'सलमा' मेरी सबसे प्रिय कहानियों में से एक है। झील के निकट रहने वाली एक नषिकपट, सुंदर पहाड़ी लड़की की कहानी जिसके प्रवाह में आप बहते चले जाएंगे। सलमा के दर्द से आप वचिलति हो जाएंगे। अंतमि कहानी 'अधूरी जदिगी' एक ऐसे हंसमुख जिदिदलि औरत की कहानी है जो कैसर के अंतमि चरण में है ,वह अपने आठ साल के बच्ची के लिए जीना चाहती है। ऐसी मार्मिक कहानी ,जसि पढ़कर शायद अपने आंसुओं को नहीं रोक पाए।

'पाकिस्तानी कहानी' स्नोवर के साये" पाकिस्तान के श्रेष्ठ 30 कहानियों में से चुनी गई एवं सर्वश्रेष्ठ कहानी है, जसि आप जरूर पढ़ना चाहेंगे।

Blurb

जीवन से जुड़ी ये कहानियाँ आपको गुदगुदाएंगी, रुलायेगी और सोचने पर मजबूर कर देगी की जदिगी कतिनी गुजरती चली जाए, यादें पीछा नई छोड़ती। कुछ सुखद यादे जसिके सहारे आप जी सकते है तो कुछ दुखतः, जसि आप भूलना चाहते है। ये सभी कहानियाँ वशिष्ट है।

Author Bio

1977 में रेलवे में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर चयनित हुआ। ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग 1978 में इज्जत नगर मंडल के पीलीभीत स्टेशन पर हुई, जहां रहकर दो वर्षों तक विभिन्न स्टेशनों पर कार्य करते रहे ॥ 1980 में समस्तीपुर मंडल में स्थानांतरण हुआ। दिसंबर 2014 में स्टेशन अधीक्षक, दरभंगा से सेवानिवृत्त।

साइंस के वदियार्थी होने के बावजूद वदियार्थी काल से ही साहित्यिक रुचि एवं पुस्तकालय की उपलब्धता के कारण देश-वदेश के कई प्रसिद्ध लेखकों की कतिबों को पढ़ने का मौका मिला। 1994 में लखिने की रुचि जागृत हुई ॥ 1994 में ही तीन कहानियाँ दरभंगा रेडियो स्टेशन से प्रसारित हुई थी। मात्र एक कहानी की उपलब्धता के कारण उसे यहां दे रहा हूं। 2006 में स्टेशन मास्टर एसोसिएशन के पटना में द्विवार्षिक अधिवेशन के सोवनीयर में एक कहानी छपी थी। 2019 में पत्नी की मृत्यु के बाद जदिगी में आए खालीपन को भरने के लिए पुनः लेखन की ओर मुड़ा। एवं विभिन्न वषियों पर लखिना शुरू किया।

पुस्तक आकार में मेरी यह पहली कहानी संग्रह है। ये सभी जदिगी से जुड़ी वशिष्ट कहानियाँ हैं।